



गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-3

“मेरी गर्लफ्रेंड मुझे अपनी मौसी के घर में छोड़ कर चली गयी थी और कह कर गयी थी कि मैं उसकी मौसी को चोद कर पूर्ण यौनसुख दूँ. लेकिन क्या मैं यह काम पूरा कर पाया ? ...”

Story By: (sharmarajesh96)

Posted: Friday, December 21st, 2018

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-3](#)

गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-3

इस कहानी का पिछला भाग यहाँ है- [गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-2](#)

मैं मधु की चुत पर जीभ घुमा रहा था उसकी उत्तेजना बढ़ती जा रही थी। तभी उसका बदन अकड़ा और उसकी चुत ने मेरे मुँह पर अमृत वर्षा कर दी मैंने उसके कामरस से लिपटे होंठ उसके होंठों पर रख दिए। वो भी मस्त होकर मेरे होंठ को चूमने और चाटने लगी- राज ... कमाल के हो तुम ... मजा आ गया! “मेरी जान ... अभी तो शुरुआत है ... आगे आगे देखो मजा ही मजा आने वाला है!”

कुछ देर चूमा चाटी चली और फिर मैंने खड़े होकर अपना अंडरवियर उतार कर एक तरफ उछाल दिया। मेरा लंड जोकि अपने पूरे शवाब पर था मधु के सामने सर उठा कर खड़ा हो गया।

“हे भगवान ... इतना लम्बा और मोटा ... मैंने तो आजतक इतना इतना लम्बा और मोटा नहीं देखा किसी का ...” मधु ने हैरान होते हुए कहा।

“अच्छा जी ... कितने देख चुकी हो?” मैंने मजाक करते हुए कहा। मेरी बात सुन वो नाराज हो गई।

“राज ... मैं कोई ऐसी वैसी नहीं हूँ जो किसी किसी का ये देखती फिरूँ ... मैंने तो बस आजतक सिर्फ अपने पति का या फिर कभी किसी को पेशाब करते हुए देखा है ... प्लीज मुझसे ऐसी वैसी बात मत करो.”

मैंने उसको सॉरी बोला और फिर से अपने होंठ उसके होंठों पर रख दिए। कुछ क्षण के लिए

तो थोड़ा उदास सी रही पर चुत के कीड़े जब दुबारा जागृत हुए तो वो अपने आप पर कण्ट्रोल नहीं रख पाई और उसने फिर से समर्पण कर दिया।

मैं उसकी चुत में उंगली करते हुए उसकी चुचियों को होंठों में लेकर चूसने लगा। गोरी गोरी चुचियों को चूसने में बहुत आनन्द आ रहा था। मैंने मधु का हाथ पकड़ कर अपने लंड पर रखा तो वो उसको अपने कोमल कोमल हाथों से सहलाने लगी।

मस्ती दुबारा से जोरों पर थी- राज ... अब कुछ करो भी ... और कितना तड़पाओगे!

मेरा मन भी अब चढ़ाई करने का हो रहा था तो मैंने मधु को उठा कर डाइनिंग टेबल पर लेटाया और उसकी टांगों को अपने कंधे पर रख कर अपने लंड का सुपारा उसकी चुत पर रख दिया।

“आराम से करना मेरे राजा ... यह मान कर चलना जैसे आज मेरी सुहागरात हो!”

“चिंता ना करो ... तुम्हारी मक्खन मलाई सी चुत को बड़े प्यार से चोदेगा मेरा पहलवान ... मस्त कर देगा चोद चोद कर!”

मैंने लंड का दबाव चुत पर बढ़ाया तो मधु तड़प उठी। मैंने मधु की टांगें चौड़ी कर उसकी चुत पर पास में रखी मलाई लगाई और एक बार फिर से सुपारा टिका दिया मधु की चुत पर। चुत चिकनी हो चुकी थी। इस बार जब मैंने दबाव बनाया तो थोड़ी सी मेहनत में ही सुपारा चुत में घुस गया। आग की भट्टी सी तप रही थी मधु की चुत। मैंने थोड़ा उचक कर एक जोरदार धक्का लगाया तो दो तीन इंच लंड चुत में घुसता चला गया।

लंड घुसते ही मधु दर्द के मारे तड़प उठी- धीरे राज ... बहुत दर्द हो रहा है ... धीरे करो नहीं तो मेरी फट जायेगी!

चुत सच में कुंवारी चुत सी टाइट थी। मैंने मधु की एक चूची को मुँह में भर लिया और थोड़ा उचक कर दो तीन जोरदार धक्के लगा कर लगभग पूरा लंड चुत में उतार दिया। मधु दर्द के मारे छटपटा कर चीखने लगी। मैंने उसको कसकर पकड़े रखा और दो और धक्के

लगा पूरा लंड जड़ तक उसकी चुत में उतार दिया। मधु ने अपने हाथों से कसकर मेरी बाजू को पकड़ा हुआ था और दर्द सहने की कोशिश कर रही थी। आखिर उसको भी तो पता था कि अब आगे आगे मजा ही मजा आने वाला है।

मैं कुछ देर रुक कर उसकी चूची और होंठों को चूमने और चूसने लगा तो मेरे रुकने से उसका दर्द भी कुछ कम हुआ।

“जालिम ... कुछ तो दया करनी चाहिए ... कितनी बेरहमी से अपना मूसल ठोक दिया मेरे अन्दर!” मधु ने चुम्बन में मेरा साथ देते हुए कहा।

मैंने कोई जवाब नहीं दिया बस मुस्कुरा कर रह गया।

थोड़ा नार्मल होते ही मैंने फिर से लंड को धीरे धीरे अन्दर बाहर करना शुरू किया तो मधु को फिर से दर्द महसूस हुआ। कुछ देर बाद जब लंड ने चुत में अपनी जगह बना ली और आराम से अन्दर बाहर होने लगा तो मधु भी मस्ती में आ गई और मेरे हर धक्के का जवाब अपनी गांड उठा उठा कर देने लगी- राज ... इस मजे के लिए बहुत तड़पी हूँ ... आज सारी कसर निकाल दो ... कर दो मेरी चुत को ठण्डा ... बहुत तंग करती है ये ... जालिम फाइ दे आज मेरी चुत अपने मोटे लंड से ... मजा आ रहा है राज ... जोर जोर से फाइ मेरी चुत ... निकाल दो सारी गर्मी मेरी चुत की!

मधु मस्ती में बड़बड़ाने लगी थी।

मस्त कड़क चुत चोदने में मुझे भी बहुत मजा आ रहा था, रह रह कर मेरे मुँह से आह निकल जाती थी। लगभग दस मिनट सटासट चुदाई चलती रही। उसके बाद मधु की चुत चुदाई का पहला कामरस बाहर फेंकने को मचल उठी। मधु का बदन अकड़ने लगा, वो झड़ने के लिए तड़प उठी थी- “जोर से राज ... आह्ह ... उम्म ... जोर से ... मेरा निकलने वाला है ... उईई माँ ... मर गई ... मजा आ गया राज ... आज तो ... निहाल कर दिया मेरी जान तुमने!

बड़बड़ाते हुए मधु झड़ने लगी पर मेरा तो अभी बाकी था ।

झड़ने के बाद मधु सुस्त हुई पर मैंने चुदाई नहीं रोकी । कुछ पल बाद ही मधु में मस्ती दुबारा से भरने लगी और एक बार फिर सिसकारियां कमरे में गूंजने लगी थी । जब वो दुबारा से पूरी मस्ती में आई तो मैंने लंड अन्दर डाले डाले उसको गोदी में उठाया और सोफे पर अपने ऊपर लेकर बैठ गया । इतना तो वो भी जानती थी की अब उसको क्या करना है । वो मस्त हो अपनी चुत मारने लगी मेरे लंड पर । सोफा भी बढ़िया गद्देदार था जिससे हर धक्के में लंड घपाघप अन्दर बाहर हो रहा था । मेरा लम्बा लंड अब उसकी बच्चादानी तक ठोकर मार रहा था । जब भी लंड अन्दर जाकर टकराता वो उछल पड़ती । मस्ती में वो करीब पाँच से सात मिनट तक ऊपर आकर चुदती रही ।

जब वो थोड़ा थकने लगी तो मैंने उसको वहीं सोफे की बाजू पर उल्टा लेटाया और पीछे से लंड उसकी चुत में उतार दिया । पोजीशन बहुत बढ़िया बन गई थी जिससे लंड पूरा अन्दर तक जा रहा था । सच में दोनों को ही बहुत मजा आ रहा था । हर धक्के पर मैं पूरा लंड अन्दर मारने की कोशिश करता तो मधु भी हर धक्के पर गांड को पीछे धकेल कर लंड को अन्दर तक जाने में सहयोग करती ।

बीस मिनट से ज्यादा चुदाई चली । दोनों ही पसीने से तर-बतर हो चुके थे । चुत लंड पर दबाव बनाने लगी थी जिससे मेरा लंड भी वीर्य वर्षा करने को मचल उठा और मेरे धक्कों की स्पीड बढ़ गई । मधु भी शायद अब झड़ने वाली थी तभी तो उसने भी सोफे को मजबूती से पकड़ लिया था और हर धक्के पर गांड को पटक पटक कर लंड को पूरा अन्दर तक जाने दे रही थी । दोनों ही मस्ती के मारे बहक चुके थे और दोनों ही दीनदुनिया से अलग वासनालोक में सैर कर रहे थे ।

एक से दो मिनट की चुदाई के बाद मधु अकड़ने लगी और उसकी चुत भी अपने रस से मेरे लंड को भिगोने लगी । यही वो क्षण था जब मेरे लंड से भी गर्म गर्म वीर्य की वर्षा मधु की

चुत की गहराई में होने लगी। मधु ने मस्ती के मारे अपनी गांड मेरे अंडकोष से मिला दी और मेरे वीर्य को अपनी चुत के आखरी हिस्से तक महसूस करने लगी।

कुछ ही पल में वो थक कर सोफे पर ही औंधी लेट गई जिससे मेरा लंड पट की आवाज के साथ उसकी चुत से निकल गया और साथ ही देर सारा मधु का कामरस मेरे वीर्य से मिलकर मधु की टांगों पर बहने लगा।

मैं भी मधु के पास सोफे पर ही लेट गया।

“राज ... तुमने तो मेरी जान ही निकाल दी आज ... इतना मजा तो मुझे मेरी असली सुहागरात में भी नहीं आया था ... बहुत जालिम हो ...” मधु हाँफते हुए बोली। उसकी साँसें अभी नियंत्रित नहीं हुई थी।

कुछ देर बाद वो उठी और बाथरूम में घुस गई। मैं बाहर सोफे पर नंगा ही लेटा हुआ उसका इंतजार करता रहा। कुछ देर बाद मधु ने मुझे आवाज दी तो मैं उठ कर बाथरूम में चला गया जहाँ उसने पानी और गीले कपड़े से मेरे लंड को अच्छे से साफ़ किया। वो नीचे बैठ कर मेरा लंड हाथ में पकड़ कर साफ़ कर रही थी जिससे मेरा लंड फिर से औकात में आने लगा था। उसके होंठ मेरे लंड के बिल्कुल सामने थे। मैंने थोड़ा आगे आते हुए अपना लंड उसके होंठों से छुआया तो उसने मेरी तरफ देखा। उसकी आँखें फिर से नशीली होने लगी थी।

मैंने जब दूसरी बार लंड को उसके होंठों से लगाया तो उसने सुपारे को अपने नाजुक होंठों से चूम लिया। मैंने थोड़ा दबाव बनाया तो वो लंड को थोड़ा सा मुँह में लेकर चूसने लगी और फिर धीरे धीरे वहीं बाथरूम में वो मस्त होकर मेरा लंड चूसने लगी। उसके होंठों का ही कमाल था कि लंड फिर से लोहे की राँड की तरह कड़क हो गया और मस्त हो दूसरे राउंड की चुदाई के लिए तैयार हो गया।

एक बार तो मन में आया कि यही बाथरूम में शुरू हो जाऊँ पर मैं इस बार अच्छे से बेड पर

लेटा कर मधु की चुत का मजा लेना चाहता था।

मैंने मधु को खड़ा किया और उसके होंठों पर होंठ रख दिए। उसके होंठों से वीर्य की महक आ रही थी पर मेरे लिए ये कोई नई खुशबू नहीं थी। मैंने मधु के नंगे बदन को गोदी में उठाया और उसको लेकर उसके बेडरूम में ले गया। बेडरूम में मस्त इम्पोर्टेड गद्दा बिछा था। मधु को उस पर लेटाकर मैं खुद भी बेड पर कूद गया। होंठों से होंठ मिले और फिर थोड़ी देर बाद हम दोनों 69 की अवस्था में थे।

मधु की चुत पहली चुदाई के बाद थोड़ी सूज गई थी जिस कारण वो फूली हुई डबल रोटी जैसी हो गई थी। अगले दस मिनट हम दोनों इसी अवस्था में चुत चटाई और लंड चुसाई का मजा लेते रहे। अब मधु लंड लेने को मचलने लगी थी, उसकी चुत भी मस्ती में पानी पानी हो रही थी। मेरा मन भी अब चुदाई करने का हो गया था तो मैंने मधु के मुँह से लंड निकाला और मधु को सीधा कर उसके ऊपर आ गया और टिका दिया सुपारा मधु की गुलाबी चुत पर।

पानी छोड़ने के कारण मधु की चुत चिकनी हो गई थी। मैंने लंड को चुत पर दबाया तो सुपारा बिना किसी रूकावट के चुत में घुस गया और फिर अगले दो धक्कों में ही पूरा लंड मधु की चुत के अन्दर था।

“जालिम कुछ तो रहम कर ...” मधु दर्द से करहाई।

चुदाई में रहम चुतिया लोग करते हैं। मैंने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया और कुछ धक्के धीरे धीरे लगाने के बाद स्पीड बढ़ा दी और लम्बे लम्बे धक्के लगा कर मधु की चुदाई करने लगा।

थोड़ी ही देर में मधु भी दर्द भूल चुदाई का मजा लेने लगी और फिर तो फुल स्पीड में घपाघप चुदाई होने लगी। गद्दे इतने मस्त थे की हर धक्के में नीचे दबते और फिर उसी स्पीड में मधु को नीचे से उछाल देते जिससे लंड मधु की चुत में अन्दर तक जा रहा था।

बीस मिनट की धुआधार चुदाई के दौरान मधु दो बार झड़ गई और फिर मेरे लंड ने भी मधु की चुत में वीर्य की फुहार कर दी। मधु मस्त होकर मुझ से लिपट गई।

लगभग आधा घंटा हम दोनों ऐसे ही लेटे रहे।

“राज ... सच में तुमने आज का दिन मेरे लिए यादगार बना दिया है ... मैं प्रेरणा का कर्ज कभी नहीं चुका पाऊँगी जिसने मुझे तुम से मिलवाया。” इतना बोल मधु ने एक लम्बा सा चुम्बन लिया और फिर नंगी ही उठ कर पहले बाथरूम गई और फिर चुत को साफ कर नंगी ही रसोई में खाना बनाने चली गई।

जब तक खाना बना मैंने भी थोड़ा आराम किया और फिर रात को दस बजे हम दोनों ने ऐसे ही नंगे बैठे बैठे खाना खाया।

खाना खाने के बाद मधु गर्म दूध ले आई। दूध पीते ही लंड फिर से चुदाई के लिए तैयार हो गया और फिर सारी रात में मैंने और मधु ने चार बार चुदाई का मजा लिया।

सुबह करीब दस बजे प्रेरणा आई तब तक हम दोनों बिस्तर पर नंगे ही पड़े थे। हमें तो होश भी नहीं था। प्रेरणा ने अपनी चाबी से दरवाजा खोला था। जब वो बेडरूम में आई तो हम दोनों को नंगे पड़े देख मुस्कुरा दी। मधु तो अब भी सो ही रही थी। प्रेरणा ने ही आकर उसको उठाया तो वो शर्मा गई और भाग कर बाथरूम में घुस गई।

हमें ऐसे देख प्रेरणा का मन भी चुदवाने को हो गया था पर सारी रात मधु के साथ खूब मेहनत करने के कारण मेरा अभी ऐसा कोई इरादा नहीं था।

प्रेरणा के कहने पर मैं एक दिन रात के लिए और उनके पास रुक गया। उस शाम तक दो बार मधु की चुदाई की और फिर शाम को प्रेरणा जब दुबारा आई तो एक बार मधु के सामने ही प्रेरणा की मस्त चुदाई की।

एक बार चुदने के बाद प्रेरणा फिर से अपनी शिफ्ट पर चली गई और उस रात भी मधु और

मैं एक पल के लिए नहीं सोये और सारी रात मधु चुदती रही और मैं चोदता रहा ।

अब अगली मुलाकात कब होगी ये तो नहीं पता पर मधु जैसे मस्त माल को चोदने के बाद मेरा भी मन है कि अगली मुलाकात जल्द से जल्द हो ।

बस आज की कहानी यहीं तक । कुछ समय बाद फिर मिलेंगे अगली चुदाई की दास्तान के साथ ।

लेखक की मेल आईडी नहीं दी जा रही है.

Other stories you may be interested in

दादा पोता ने पंजाबन की चूत चोद दी

मैं विकास के सामने घोड़ी बनी हुई थी और विकास का लंड मेरी चूत में था. वो धक्के के ऊपर धक्के लगा कर मुझे चोद रहा था. मैंने अपने दोनों हाथ पीछे गांड पर रखे हुए थे और अपने कूल्हे [...]

[Full Story >>>](#)

मेरे जीजे ने मुझे रंडी बनाया

प्रणाम दोस्तो, कैसे हो सब आप सब ! मेरी पिछली कहानी दीदी जीजू का दिलवा दो में आपने पढ़ा कि मेरी दीदी की शादी के बाद जब उसने मुझे अपनी सुहागरात की कहानी सुनायी और जीजू के शानदार, जानदार लंड की [...]

[Full Story >>>](#)

वासना का मस्त खेल-4

इस मस्त सेक्स कहानी में अब तक की आपने पढ़ा कि मैंने प्रिया की चूत को चूस कर उसे झड़ा दिया था. अब आगे ... मैं भी अब उसकी जांघों के बीच से अपना सिर निकाल कर प्रिया के बगल [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-2

सेक्सी कहानी के पहले भाग गर्लफ्रेंड से मिला तोहफा-1 में आपने पढ़ा कि वो मुझे वहाँ सातवीं मंजिल पर ले गई। एक फ्लैट के सामने जाकर उसने बेल बजाई। कुछ देर बाद दरवाजा खुला तो अन्दर से एक लगभग पैतीस [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी रानी की कहानी-5

कुछ देर बाद रानी फिर से बोली- मुझे सेक्स करना है। उसकी बात सुनकर मुझे खुशी तो हुई लेकिन मुझे डर लग रहा था कि कहीं ये बाद में ये पछताने लगे और मुझसे गुस्सा हो जाये। मुझे उस से [...]

[Full Story >>>](#)

